

## Previous Year Paper

### RAJASTHAN JUDICIAL MAINS 2017

#### PAPER I

**Note:** Attempt all questions. Marks of each question are mentioned against the question.

**नोट:** समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके समक्ष अंकित किये गये हैं।

#### Question No.1

[2 Marks]

A person, who creates resistance in execution of a decree, what remedies are available to decree holder against such person?

एक व्यक्ति, जो डिक्री के निष्पादन में अवरोध उत्पन्न करता है, ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध डिक्रीदार को क्या उपचार उपलब्ध हैं?

#### Question No.2

[2Marks]

Explain the circumstances, in which subsequent pleading (rejoinder) may be filed. Is there any limitation provided in law for filing subsequent pleading?

उन परिस्थितियों को स्पष्ट करें जिनमें पश्चात्कर्ती अभिवचन (जवाब-उल-जवाब) प्रस्तुत किये जा सकते हैं। क्या पश्चात्कर्ती अभिवचनों को प्रस्तुत करने हेतु विधि में कोई परिसीमा प्रावधानित की गई है?

#### Question No.3

[2 Marks]

Under the provisions of Specific Relief Act, 1963, what remedies are available to a person dispossessed from the immovable property, Explain.

विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के अन्तर्गत, स्थावर सम्पत्ति से बेकब्जा किये गये व्यक्ति को क्या उपचार उपलब्ध हैं, स्पष्ट कीजिये।



## Question No.4

[3 Marks]

Describe the pre-requisites for filing suit against the municipality or its officers under the Rajasthan Municipality Act, 2009.

राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 के अन्तर्गत नगर पालिका अथवा उसके अधिकारियों के विरुद्ध वाद संस्थित करने हेतु पूर्व-अपेक्षाएं वर्णित कीजिये।

## Question No.5

[3 Marks]

Explain the prohibitions imposed on Civil Courts under section 305 of the Rajasthan Municipality Act, 2009.

राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 305 के अन्तर्गत सिविल न्यायालयों पर अधिरोपित वर्जनाओं को स्पष्ट कीजिये।

## Question No.6

[3Marks]

Identify the kind of following easement:

- A right of way annexed to "A's house over "B's land.
- A right annexed to "A's house to prevent "B" from building on his own land.
- A right annexed to "B's house to receive light by the windows without obstructions by his neighbor "A".

निम्नलिखित सुखाचार के प्रकार को बताइये :

- B की भूमि पर A के गृह से संलग्न मार्गाधिकार।
- B को उसकी भूमि पर निर्माण करने से रोकने के लिये A के गृह से संलग्न एक अधिकार।
- पड़ौसी A द्वारा बाधा डाले बिना खिड़कियों से प्रकाश प्राप्त करने का B के गृह से संलग्न एक अधिकार ।

## Question No.7

[3 Marks]

Hindu male "A", to enter into marriage with a Hindu female "B" on 10.03.2017. "C", a Christian lady, files a suit for permanent injunction to restrain "A" from said





# LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |  
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBSJ | HPJS

marriage, on the ground that "A" had already married with "C" on 22.08.2016 in a temple as per the Hindu rituals. As she is a legally wedded so "A" has no right to marry again.

Whether, "C" is entitled to get injunction? Give answer applying relevant provisions of Hindu Marriage Act, 1955.

एक हिन्दू पुरुष "A", एक हिन्दू महिला "B" के साथ दिनांक 10.03.2017 को विवाह करने वाला है। "C" एक ईसाई महिला, "A" को उक्त विवाह करने से रोकने हेतु स्थायी निषेधाज्ञा का वाद इस आधार पर प्रस्तुत करती है कि "A" पूर्व में ही दिनांक 22.08.2016 को मन्दिर में हिन्दू रीति रिवाजों से "C" के साथ विवाह कर चुका है। चूंकि, वह वैध विवाहिता है, अतः "A" को पुनः विवाह करने का अधिकार नहीं है।

क्या "C" व्यादेश प्राप्ति की अधिकारिणी है ? हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के सुसंगत प्रावधानों को प्रयुक्त करते हुए उत्तर दीजिये।

## Question No.8

[4Marks]

What is "Privileged Communication" under Indian Evidence Act? Describe its kinds, in brief.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत "विशेषाधिकृत संसूचनाएं" क्या है? इसके प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

## Question No.9

[4Marks]

Section 45 and 73 of Indian Evidence Act are complementary to each other. Discuss.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 45 और 73 एक दूसरे की संपूरक हैं। विवेचना कीजिये।

## Question No.10

[4Marks]

Distinguish "Invalid Decree" and "Void Decree". Whether a void decree can be challenged in collateral proceedings, explain.

"अवैध डिक्री" और "शून्य डिक्री" को विभेदित कीजिये। क्या एक शून्य डिक्री को संपार्श्विक कार्यवाहियों में चुनौती दी जा सकती है, स्पष्ट कीजिये।

## Question No.11

[4 Marks]

"A" filed a criminal Complaint against "B" for robbery. "A" and "B" enter in to an agreement whereby, "A" agrees to withdraw the prosecution on "B's" promise to give value of the stolen property.





Is this agreement enforceable? Answer with reasons.

"A" ने "B" के विरुद्ध लूट कारित करने का आपराधिक परिवाद प्रस्तुत किया। "A" और "B" एक अनुबंध करते हैं जिसमें "A", "B" के इस वादे पर कि वह उसकी लूटी हुई सम्पत्ति का मूल्य दे देगा, अभियोजन को वापस लेने को सहमत होता है।

क्या यह अनुबंध प्रवर्तनीय है? कारण सहित उत्तर दीजिये।

## Question No.12

[4 Marks]

After retirement of a partner, a partnership firm took loan from bank and failed to repay it. The bank filed recovery suit wherein the retired partner was also impleaded as one of the defendants. The bank stated, that retirement of the partner was not disclosed to the bank and impression was given that he continues to be a partner.

The defence of the retire partner was that since, he had retired, could not be made liable and there was no basis for the bank to presume that he continued to be a partner. He did not sign any document when loan was advanced to the firm.

Whether the retired partner would be liable? Decide in the light of the provisions of the Indian Partnership Act.

एक भागीदार फर्म ने अपने एक भागीदार की सेवानिवृत्ति के पश्चात् बैंक से ऋण लिया और ऋण को चुकाने में असफल रही। बैंक ने वसूली हेतु वाद दायर किया जिसमें अन्य प्रतिवादीगण के साथ सेवानिवृत्त भागीदार को भी संयोजित किया। बैंक ने यह कहा कि, भागीदार के सेवानिवृत्ति का तथ्य बैंक के समक्ष प्रकट नहीं किया गया और यह जताया गया कि वह अभी भी भागीदार है।

सेवानिवृत्त भागीदार का बचाव यह था कि चूंकि, वह सेवानिवृत्त हो चुका था अतः उसे दायी नहीं बनाया जा सकता है और बैंक के पास यह उपधारित करने का कोई आधार नहीं था कि वह भागीदार के रूप में कार्यरत था। फर्म को ऋण प्रदान करने के समय उसने कोई भी दस्तावेज हस्ताक्षरित नहीं किये थे।

क्या, उक्त सेवानिवृत्त भागीदार दायी होगा? भारतीय भागीदारी अधिनियम के प्रावधानों के प्रकाश में निर्णित कीजिये।

linkinglaws.com

## Question No.13

[4Marks]

Distinguish the forms of marriage "BATIL" and "FASID" under Muslim Law.

मुस्लिम विधि के अन्तर्गत विवाह के रूपों, "बातिल" और "फासिद" को विभेदित कीजिये।



## Question No.14

[4Marks]

A woman, during her live-in-relationship with a man, subjected to Domestic Violence. Can such woman get remedy under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005?

Answer with support of judgment of Hon'ble Supreme Court.

एक महिला, जो किसी पुरुष के साथ अपनी लिव-इन-रिलेशनशिप के दौरान, घरेलू हिंसा के अधीन रही है। क्या ऐसी महिला, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत उपचार प्राप्त कर सकती है ?

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से समर्थित करते हुए उत्तर दीजिये।

## Question No.15

[4 Marks]

Define the followings under Rajasthan Stamps Act:

- Leave and Licence
- Sea Policy

राजस्थान मुद्रांक अधिनियम के अन्तर्गत, निम्नलिखित को परिभाषित कीजिये:

- इजाजत और अनुज्ञप्ति
- समुद्रीय पॉलिसी

## Question No.16

[4 Marks]

The plaintiff, on 15.07.2015 instituted a suit for recovery of money for price of goods sold to the defendant. It was pleaded that the goods were sold vide invoice dated 15.04.2012. The defendant had given a cheque on 06.05.2015 for the invoice amount. The said cheque was returned unpaid by bank on 13.05.2015.

The defendant filed written statement and raised preliminary objection that the suit is barred by Limitation. The Court framed preliminary issue of Law that "As to whether the suit is barred by Limitation"

Decide the issue with support of relevant law.







वादी ने प्रतिवादी को बेचे गये माल के मूल्य की राशि की वसूली का वाद दिनांक 15.07. 2015 को पेश किया। यह अभिवचन किया गया कि उक्त माल जरिये बिल दिनांक 15.04.2012 को बेचा गया था। प्रतिवादी ने बिल की राशि का चैक दिनांक 06.05.2015 को दिया था। उक्त चैक को बैंक द्वारा दिनांक 13.05.2015 को बिना भुगतान किये लौटा दिया।

प्रतिवादी ने लिखित कथन प्रस्तुत किया और प्रारम्भिक आपत्ति उठाई कि वाद परिसीमा से वर्जित है। न्यायालय ने विधि का प्रारम्भिक विवाद्यक यह विरचित किया कि "क्या वाद परिसीमा से वर्जित है।

सुसंगत विधि से समर्थित करते हुए उक्त विवाद्यक निर्णित कीजिये।

## Question No.17

[4 Marks]

The application of the plaintiff under Order XXXIX rule 1 and 2 of the CPC, was rejected by the trial court on 10.01.2017. The plaintiff preferred an appeal against the order. However, the appeal was dismissed as withdrawn. The plaintiff, thereafter, applied to the trial court to review the rejection order dated 10.01.2017.

The defendant raised a preliminary objection that since, the appeal has been dismissed as withdrawn, hence, the review application is not maintainable.

Decide the preliminary objection.

वादी के आवेदन पत्र अन्तर्गत आदेश xxxix नियम 1 व 2 सिविल प्रक्रिया संहिता को विचारण न्यायालय द्वारा दिनांक 10.01.2017 को नामंजूर कर दिया गया। इस आदेश के विरुद्ध वादी द्वारा अपील प्रस्तुत की गई, जो कि प्रत्याहरित करने के फलस्वरूप खारिज की गई। उसके पश्चात् वादी ने विचारण न्यायालय में, दिनांक 10.01.2017 के नामंजूरी आदेश को पुनर्विलोकित करने हेतु आवेदन किया।

प्रतिवादी ने प्रारम्भिक आपत्ति उठाई कि, चूंकि अपील, प्रत्याहरित करने के फलस्वरूप खारिज की जा चुकी है, अतः पुनर्विलोकन का यह आवेदन पत्र पोषणीय नहीं है।

उक्त प्रारम्भिक आपत्ति को निर्णित कीजिये।

## Question No.18

[4Marks]

A suit for eviction was filed by plaintiff along with all original documents against defendant on 10.01.2010. The defendant filed written statement on 12.01.2012 along with original lease deed dated 10.01.1986, issued by competent authority in favor of his grandfather. Issues were framed on 10.08.2014 and plaintiff concluded his evidence on 01.01.2016. During his evidence on 10.01.2017, the defendant exhibited the original lease deed. At the time of final argument, the defendant requested to draw presumption under section 90 of Evidence Act, with regard to original lease deed. Per



contra, the plaintiff argued that since, on the dates of, filing of suit, filing of written statement and framing of issues, the document was not 30 years old, therefore, such presumption cannot be drawn under section 90.

Express your opinion with reason upon the arguments of both the parties.

वादी द्वारा प्रतिवादी के विरुद्ध बेदखली का वाद दिनांक 10.01.2010 को मय समस्त मूल दस्तावेज के प्रस्तुत किया। प्रतिवादी ने दिनांक 12.01.2012 को लिखित कथन मय सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसके दादा के पक्ष में जारी मूल पट्टा विलेख दिनांकित 10.01.1986 पेश किया। दिनांक 10.08.2014 को विवाद्यक विरचित किये गये तथा वादी ने अपनी साक्ष्य दिनांक 01.01.2016 को समाप्त की। प्रतिवादी ने दिनांक 10.01.2017 को अपनी साक्ष्य के दौरान मूल पट्टा विलेख को प्रदर्शित किया। बहस अंतिम के समय प्रतिवादी ने मूल पट्टा विलेख के बारे में धारा 90 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत उपधारणा किये जाने का निवेदन किया। इसके विपरीत, वादी ने तर्क दिया कि दावा प्रस्तुत करने की या लिखित कथन प्रस्तुत करने की या विवाद्यक विरचित करने की, तिथियों तक यह दस्तावेज 30 वर्ष से पुरानी अवधि का नहीं था, अतः धारा 90 के अन्तर्गत ऐसी उपधारणा नहीं की जा सकती है।

उभय पक्ष के तर्कों पर कारण सहित अपना मत व्यक्त कीजिये।

## Question No.19

[4 Marks]

On what basis, court fees shall be computed and payable in cases of suits for specific performance of contract under the provision of the Rajasthan Court Fees and Suits Valuation Act, 1961? Explain.

राजस्थान न्यायालय शुल्क तथा वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 के प्रावधान के अन्तर्गत संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के मामलों के वादों में न्यायालय शुल्क किस आधार पर संगणित किया जाकर संदेय होगा ? स्पष्ट कीजिये।

## Question No.20

[6 Marks]

Doctrine of Part performance, provided in section 53-A of Transfer of Property Act, is a right as well as defence. Discuss.

सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम की धारा 53-A में वर्णित आंशिक पालन का सिद्धान्त, अधिकार के साथ-साथ बचाव भी है। विवेचित कीजिये।

## Question No.21

[6 Marks]

Stating "TALAK" three times, is a valid form of Divorce under Muslim Law? Discuss in the light of recent judgment of Hon'ble Apex Court. प्रश्न संख्या 21





तीन बार "तलाक" कहना, क्या मुस्लिम विधि के अन्तर्गत विवाह विच्छेद का एक वैध रूप है ? माननीय उच्चतम न्यायालय के नवीनतम निर्णय के प्रकाश में विवेचित कीजिये।

## Question No.22

[6 Marks]

Do you think that the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005, has removed the gender discrepancy and Hindu female have equal rights to property. Discuss.

क्या आप मानते हैं कि हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 ने लिंग भेद को समाप्त कर दिया है और हिन्दू महिलाएं सम्पत्ति में समान अधिकार रखती हैं। विवेचित कीजिये।

## Question No.23

[6 Marks]

In which lands, Khatedari rights shall not accrue under Rajasthan Tenancy Act, explain.

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के अन्तर्गत किन भूमियों में खातेदारी अधिकार प्रोद्भूत नहीं होंगे, वर्णन कीजिये।

## Question No.24

[10 Marks]

Write a reasoned judgment on the following facts:

### Pleadings of the Suit

Plaintiff and defendant are familiar to each other. On 17.07.2014, for the sake of personal necessity, the defendant borrowed Rs. 187690/- from the plaintiff and agreed to return the money after one year with 20% annual rate of interest and accordingly a written agreement was executed. After stipulated period, despite demand, defendant did not return the principal amount and interest thereon. Plaintiff sought decree for Rs.

256115/- along with suit expenses and interest till realization of the amount.

### Pleading of the Written Statement

The defendant categorically denied the pleadings in the plaint and also denied the execution of agreement. The defendant pleaded that the alleged borrowed amount is in odd figure. Ordinarily amount is not borrowed in odd figure. This fact itself makes claim highly doubtful. It is also pleaded that the defendant constructed the plaintiff's





house and payment of which is still due towards the plaintiff. The plaintiff does not want to pay the due amount, therefore, he has filed false case against him. He prayed to dismiss the suit with heavy costs.

**निम्नलिखित तथ्यों पर एक तर्कसंगत निर्णय लिखिये:**

**वाद के अभिवचन**

अपनी व्यक्तिगत एक वर्ष पश्चात् विहित अवधि के पटाई। अंत में, रूपाने का अनुतोष र

वादी व प्रतिवादी एक दूसरे के परिचित है। दिनांक 17.07.2014 को प्रतिवादी वादी से अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं हेतु 1,87,690/- रूपये उधार लेता है और सहमत होता है कि वह उक्त राशि एक वर्ष पश्चात् 20% वार्षिक ब्याज दर से लौटा देगा। तदनुसार ही एक लिखित अनुबन्ध निष्पादित किया गया। प्राविहित अवधि के पश्चात्, मांगे जाने के उपरान्त भी प्रतिवादी ने मूल ऋण और ब्याज की राशि प्रतिवादी को नहीं लौटाई। अंत में, रूपये 2,56,115/- मय वाद व्यय एवं अंतिम वसूली तक ब्याज दिलाये जाने हेतु वाद डिक्री किये जाने का अनुतोष चाहा गया है।

**लिखित कथन के अभिवचन**

प्रतिवादी ने स्पष्ट रूप से वाद के अभिवचनों से इंकार किया है एवं अनुबन्ध निष्पादन से भी इंकार किया है। प्रतिवादी ने यह अभिकथित किया है कि उधार देना बताई गई राशि विषम अंकों में है, सामान्यतः विषम अंकों में राशि उधार नहीं ली जाती है, यह तथ्य स्वमेव ही दावे को घोर संदेहास्पद बना देता है। यह भी अभिकथित किया गया है कि प्रतिवादी ने वादी के मकान का निर्माण किया था जिसका भुगतान अभी तक वादी के विरुद्ध बकाया है। वादी उक्त बकाया राशि को अदा नहीं करना चाहता है इसी कारण उसने यह मिथ्या वाद उसके विरुद्ध प्रस्तुत किया है। प्रतिवादी द्वारा वाद को भारी हर्ज सहित खारिज करने का निवेदन किया गया।

## PAPER II

**Note: Attempt all questions. Marks of each question are mentioned against the question.**

**नोट: समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके समक्ष अंकित किये गये हैं।**

**Question No.1**

**[03 Marks]**

How and when a Magistrate of First Class can issue process in a private complaint.

एक व्यक्तिगत परिवाद में प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट कब व कैसे आदेशिका जारी कर सकता है ?

**Question No.2**

**[03 Marks]**





'F', wife of 'M', living in state of adultery. 'P', father of 'M', files a written complaint before Magistrate against 'F' under section 494 IPC.

Whether, criminal proceedings can be initiated against 'F'? Explain with reason.

'M' की पत्नी 'F', जो कि जारता की दशा में रह रही है। 'M' का पिता 'P', मजिस्ट्रेट के समक्ष 'F' के विरूद्ध धारा 494 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध हेतु लिखित परिवाद प्रस्तुत करता है।

क्या, 'F' के विरूद्ध आपराधिक कार्यवाहियां प्रारम्भ की जा सकती हैं ? कारण सहित स्पष्ट कीजिये।

### Question No.3

[03 Marks]

A Court of Sessions, while convicting the accused for offence under section 325, 307 IPC, imposes a sentence of 10 years simple imprisonment and fine of Rs. 50,000/-, out of which Rs. 30,000/- to be given to injured-victim as compensation.

Briefly, examine the legality of the order for compensation, after applying relevant provisions of Cr.P.C.

सेशन न्यायालय एक अभियुक्त को धारा 325, 307 भा.द.सं. के अपराध हेतु दोषसिद्ध करते हुए 10 वर्ष का साधारण कारावास एवं 50,000 रूपये अर्थदण्ड और उक्त राशि में से 30,000 रूपये आहत-व्यथित व्यक्ति को बतौर प्रतिकर देने का आदेश करता है।

दण्ड प्रक्रिया संहिता के सुसंगत प्रावधानों को लागू करते हुए उक्त प्रतिकर आदेश की वैद्यता की संक्षेप में विवेचना कीजिये।

### Question No.4

[03 Marks]

Summarize, the "Power of a Judge" under section 165 Evidence Act.

साक्ष्य अधिनियम की धारा 165 में वर्णित "न्यायाधीश की शक्ति को संक्षेप में बताइये।

### Question No.5

[03 Marks]

'Hari', prosecutes 'Kalu' for adultery with his wife 'Neelu'. 'Kalu' denies that 'Neelu' is wife of 'Hari'. The Court convicts 'Kalu' for the adultery. Afterwards, 'Neelu' is prosecuted for bigamy in marrying "Kalu' during 'Hari's' lifetime. 'Neelu' says that she never married to "Hari'. 'Hari' produced copy of judgment, wherein, 'Kalu' was convicted for adultery with 'Neelu'.





Whether, judgment in case of 'Kalu' is relevant against 'Neelu'? Explain in brief with relevant provision.

'हरी', 'कालू' को अपनी पत्नी 'नीलू' के साथ जारता हेतु अभियोजित करता है। 'कालू' इस बात से इंकार करता है कि 'नीलू', 'हरी' की पत्नी है। न्यायालय 'कालू' को जारता हेतु दोषसिद्ध कर देता है। तत्पश्चात्, 'हरी' के जीवनकाल में 'कालू' से द्विविवाह करने हेतु 'नीलू' को अभियोजित किया जाता है। 'नीलू' कहती है कि उसने कभी 'हरी' से विवाह नहीं किया। 'हरी' उस निर्णय की प्रति पेश करता है जिसमें कि 'कालू' को 'नीलू' के साथ जारता हेतु दोषसिद्ध किया गया था।

क्या, 'कालू' के विरुद्ध पारित निर्णय 'नीलू' के विरुद्ध सुसंगत है ? सुसंगत प्रावधान सहित संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिये।

## Question No.6

[03 Marks]

'A', just for enjoyment and fun with labours working in his field, drives a tractor around them in rash and negligent manner. Next day he repeats the same act in same mood and manner. A labour get hit by the tractor and resultantly, dies.

Whether, 'A' has committed any offence on both the days? Explain with brief reasons.

'A', अपने खेत में कार्य कर रहे मजदूरों से मजाक-मनोरंजन हेतु खेत में उनके आस पास उपेक्षा व उतावलेपन से ट्रैक्टर चलाता है। अगले दिन भी वह उसी मूड व तरीके से वही कृत्य दोहराता है। एक मजदूर ट्रैक्टर से टकरा जाता है व परिणामतः उसकी मृत्यु हो जाती है।

क्या, 'A' ने दोनों दिवसों को कोई अपराध किया है ? संक्षिप्त कारणों सहित स्पष्ट कीजिये।

## Question No.7

[03 Marks]

'Madan' married 'Geeta' as per Hindu rites and ceremonies in year 2001. Just after 9 months of marriage, they began to live separately in different towns due to rift. After 7 years, 'Geeta' married with an unmarried person 'Suresh', after disclosing all the facts to him. 'Madan', after knowing about the marriage of 'Geeta', also get married with a legally divorcee Hindu lady 'Babita', concealing the facts about his previous marriage.

State with brief reasons regarding criminal liability (if any) of Madan, Geeta, Suresh and Babita.

'मदन' का वर्ष 2001 में 'गीता' से हिन्दू रीति-रिवाजों से विवाह हुआ। विवाह के मात्र 9 माह पश्चात् ही आपसी अनबन के कारण दोनों एक दूसरे से अलग, दूसरे कस्बों में रहने लगे। 7 वर्ष पश्चात् 'गीता' ने एक अविवाहित व्यक्ति 'सुरेश' को सब तथ्य बताते हुए, उससे विवाह कर लिया। 'गीता' के विवाह का पता चलने पर 'मदन' ने भी एक वैध रूप से तलाकशुदा हिन्दू स्त्री 'बबिता' से, अपने पूर्व विवाह के तथ्यों को छिपाते हुए, विवाह कर लिया।





मदन, गीता, सुरेश एवं बबिता के आपराधिक दायित्व (यदि कोई हों) को संक्षिप्त कारण सहित बताइये।

## Question No.8

[03 Marks]

What is the definition of "Sexual Harassment", under the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, के अन्तर्गत "लैंगिक उत्पीड़न" की क्या परिभाषा है ?

## Question No.9

[03 Marks]

'X', renowned builder in ordinary course of his business agreed to sale one flat to 'Y'. As 'Y' belongs to Schedule Caste, so next day he denies to sell, stating to 'Y' that, this would adversely affect the sale of remaining flats.

Whether, 'X' has committed any offence under The Schedule Caste and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989? Support the answer with the provisions of relevant law.

'x', अपने व्यवसाय के सामान्य अनुक्रम में 'Y' को एक फ्लेट बेचने को सहमत हुआ। चूंकि 'Y' अनुसूचित जाति का व्यक्ति है, अतः अगले दिन वह यह कहते हुए विक्रय से मना कर देता है कि, इससे शेष फ्लेट्स की बिक्री प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी।

क्या, 'x' द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत कोई अपराध किया गया है ? सुसंगत विधि के प्रावधानों सहित उत्तर समर्थित कीजिये।

## Question No.10

[03 Marks]

"Abhishek", a member of schedule tribes abuses a lady "Kamali", a member of scheduled caste, by saying "Chamari", at the bus stand.

What offence has been committed by "Abhishek" under The Schedule Caste and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989. Briefly discuss with reasons.

अनुसूचित जनजाति का सदस्य "अभिषेक", अनुसूचित जाति की महिला "कमली" से बस स्टैण्ड पर "चमारी" कह कर गाली गलौज करता है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "अभिषेक" द्वारा क्या अपराध किया गया है? कारण सहित संक्षेप में विवेचित कीजिये।





## Question No.11

[04 Marks]

'A', filed a complaint before a Magistrate against 'B' for house trespass. During inquiry made by Court under section 202 of Cr.P.C., 'A' produced and examined 'C' as his witness. Afterwards, due to death of 'C' he could not be examined during the trial.

Whether, statement of 'C', recorded during inquiry is relevant as previous statement and can be used against 'B' in the trail? Explain in brief with reasons.

'A' ने 'B' के विरुद्ध गृह अतिचार करने हेतु मजिस्ट्रेट के समक्ष एक परिवाद प्रस्तुत किया। न्यायालय द्वारा धारा 202 द.प्र.सं. के अन्तर्गत की गई जाँच के दौरान 'A' ने 'C' को अपने साक्षी के रूप में पेश कर परीक्षित करवाया। तत्पश्चात् 'C' की मृत्यु हो जाने के कारण उसे विचारण के दौरान परीक्षित नहीं करवाया जा सका।

क्या, जाँच के दौरान लेखबद्ध 'C' के कथन, पूर्ववती कथन के रूप में सुसंगत है एवं 'B' के विरुद्ध विचारण में प्रयुक्त किये जा सकते हैं? कारण सहित संक्षेप में स्पष्ट कीजिये।

## Question No.12

[04 Marks]

What are the salient features of the offence "Giving false evidence" and "Fabricating false evidence". Explain in brief.

अपराध, "मिथ्या साक्ष्य देना" एवं "मिथ्या साक्ष्य गढ़ना", की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? संक्षेप में स्पष्ट कीजिये।

## Question No.13

[04 Marks]

Explain in short, the definition of "Domestic Violence" under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005.

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत "घरेलू हिंसा" की परिभाषा को संक्षेप में समझाइये।

## Question No.14

[04 Marks]

Write a short note on the provisions of Bail with regard to offence relating to commercial quantity of contraband, under Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985

स्वापक औषधी एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 में वर्णित निषिद्ध माल की वाणिज्यिक मात्रा के अपराध के सम्बन्ध में जमानत के प्रावधानों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।







## Question No.15

[04 Marks]

Whether, is it mandatory for Juvenile Justice Board to release the child-in-conflict with law on bail, alleged to have committed an offence? When and for which offences bail can be denied, explain rationally.

क्या, किशोर न्याय बोर्ड हेतु, एक विधि से संघर्षरत बालक, जिसके द्वारा अपराध किया जाना अभिकथित किया गया है, को जमानत पर रिहा करना आज्ञापक है ? कब व किन अपराधों हेतु जमानत से इंकार किया जा सकता है, तर्कसंगत रूप से विवेचित कीजिये।

## Question No.16

[05Marks]

Discuss the provisions relating to recording of statement of a child by Police and a Magistrate, under Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.

पुलिस एवं मजिस्ट्रेट द्वारा बालक के कथन लेखबद्ध करने के सन्दर्भ में, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, में वर्णित प्रावधानों को विवेचित कीजिये।

## Question No.17

[05 Marks]

Make a comparative discussion in brief, with regard to mode of recording of evidence and power to award sentence in summary trial cases, as embodied in provisions of Cr.P.C. and Negotiable Instruments Act, 1881.

दण्ड प्रक्रिया संहिता एवं परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के प्रावधानों में वर्णित संक्षिप्त विचारण योग्य मामलों में साक्ष्य लेखबद्ध करने के ढंग और दण्ड देने की शक्ति, के संदर्भ में संक्षेप में तुलनात्मक विवेचन कीजिये।

## Question No.18

[06 Marks]

Discuss in detail the provisions of Cr.P.C. with regard to contents of charge and the alteration and addition of charge, during the trial with consequence thereto.

आरोप की अन्तर्वस्तु एवं विचारण के दौरान आरोप में परिवर्तन व परिवर्धन एवं इनके परिणाम के सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता के उपबन्धों को विस्तार पूर्वक विवेचित कीजिये।

## Question No.19

[06 Marks]





# LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |  
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

'A' gives a cheque of Rs. 10 lacks to 'B' on 01.01.2014, for the discharge of his debt, knowingly that sufficient fund is not in his bank account. Cheque returned by bank unpaid and 'A' is prosecuted by 'B' for offence u/s 138 Negotiable Instruments Act. But, after trial, 'A' is acquitted by court on 01.02.2018. Afterwards, on 05.02.2018, 'B' files another complaint before magistrate against 'A', u/s 420 IPC (cheating), for the same cheque.

Whether, plea of double jeopardy, as provided in section 300 Cr.P.C. can be taken by 'A'? Discuss elaborately with reasons and precedent.

'A', दिनांक 01.01.2014 को अपने ऋण के उन्मोचन हेतु 10 लाख रूपये का चैक, यह जानते हुए कि उसके बैंक खाते में पर्याप्त धनराशि नहीं है, 'B' को देता है। चैक को बैंक द्वारा बिना भुगतान लौटाने पर 'B' द्वारा 'A' को धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम के अपराध हेतु अभियोजित किया जाता है, परन्तु न्यायालय दिनांक 01.02.2018 को विचारण के बाद 'A' को दोषमुक्त कर देता है। तत्पश्चात् 'B', दिनांक 05.02.2018 को इसी चैक के आधार पर मजिस्ट्रेट के समक्ष एक अन्य परिवाद 'A' के विरुद्ध, भा.दं.सं. की धारा 420 (छल) के अन्तर्गत पेश करता है।

क्या, 'A' द्वारा द.प्र.सं.की धारा 300 में वर्णित "दोहरे अभियोजन" का अभिवाक् लिया जा सकता है? कारण व न्यायनिर्णय सहित विस्तृत रूप से विवेचना कीजिये।

## Question No.20

[08 Marks]

What is "Dowry Death"? Explain the presumption provided under section 113-B of Evidence Act. When it can be invoked and what is it's effect on burden of proof.

"दहेज मृत्यु" क्या है ? धारा 113-ख साक्ष्य अधिनियम में वर्णित उपधारणा को स्पष्ट करें। इसे कब लागू किया जा सकता है एवं साबित करने के भार पर इसका क्या प्रभाव है?

## Question No.21

[10 Marks]

'R' is charged for voluntarily causing grievous hurt by using acid on 'Sunita'. During the trial following facts are established;

1. About 15 days prior to the incident, while 'Sunita' was going to college along with her friend 'Suman', 'R' proposed 'Sunita' to marry but she vehemently denied, as she was going to be marry with another person. 'R' threatened her.
2. On fateful day of incident, while 'Sunita' was going to market along with her friend 'Suman', a biker threw acid on her and fled away.



3. Oral testimony as well as medical opinion reveals that 'Sunita' received injuries of facial disfiguration by the use of acid. No injury sign was found on the body of 'R'.
4. Except 'Sunita' and 'Suman', the other eye-witnesses did not support prosecution case.
5. A bottle with residuary of acid was recovered from the room of 'R'.

Write a reasoned judgment, keeping in mind the aspect of Compensation also.

'R' को, सुनीता को एसिड द्वारा स्वेच्छया गंभीर उपहृतियां कारित करने हेतु आरोपित किया गया है। विचारण के दौरान निम्नलिखित तथ्य स्थापित हुए हैं :

1. घटना से 15 दिन पूर्व, जब 'सुनीता' अपनी सहेली 'सुमन' के साथ कॉलेज जा रही थी तब 'R' ने 'सुनीता' से विवाह का प्रस्ताव रखा, परन्तु 'सुनीता' ने पुरजोर ढंग से इंकार किया, क्योंकि शीघ्र ही 'सुनीता' का विवाह किसी और के साथ होने वाला था। 'R' ने उसे धमकी दी।
2. घटना के दुःखद दिन, जब 'सुनीता' अपनी सहेली 'सुमन' के साथ बाजार जा रही थी, एक मोटरसाईकिल चालक ने उस पर एसिड फैंका और भाग गया।
3. मौखिक साक्ष्य के साथ-साथ चिकित्सीय राय से भी यह प्रकट होता है कि 'सुनीता' के चेहरे के विद्रुपीकरण की उपहृति एसिड से कारित हुई है। 'R' के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं पाये गये।
4. 'सुनीता' व 'सुमन' के सिवाय, अन्य किसी भी चक्षुदर्शी साक्षी ने अभियोजन कहानी का समर्थन नहीं किया।
5. 'R' के कमरे से एक बोतल, एसिड के अवशिष्ट सहित बरामद की गई।

प्रतिकर के पहलू को भी ध्यान में रखते हुए, एक तर्कसंगत निर्णय लिखिये।

## Question No.22

[10 Marks]

### Write a judgment on following facts:

A lady 'Meena' was waiting for a bus near Pali Railway Station. A boy, around 20 years age came on the motorcycle, snatched 'Meena's' gold chain of 50 gms and escaped before that lady could see his face. She lodged a report in the Police Station. On the next day, 'Ram Singh', aged about 21 years was arrested by police in connection with a similar offence. He gave information to the police, that the day before, he had snatched gold chain of a woman and sold it to a jeweler. He showed that shop to police. Police seized gold chain of 50 gms. and sale receipt. 'Meena' identified the gold chain. Police did further investigation and filed charge-sheet against 'Ram Singh'.





# LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |  
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

'Ram Singh' denied everything in his statement u/s 313 Cr.P.C. and alleged that police has falsely implicated him and forcibly taken his statement, while he was in their custody.

एक महिला 'मीना', पाली रेल्वे स्टेशन के पास बस का इंतजार कर रही थी। लगभग 20 वर्ष की आयु का एक लड़का मोटरसाईकिल पर आया और इससे पहले कि 'मीना' उसका चेहरा देख पाती, वह उसकी 50 ग्राम की सोने की चेन को झपट कर भाग गया। उसने पुलिस थाने में एक रिपोर्ट दर्ज करवाई। अगले दिन, पुलिस ने समान अपराध से जुड़े मामले में राम सिंह, आयु लगभग 21 वर्ष, को गिरफ्तार किया। उसने पुलिस को सूचना दी कि, एक दिन पहले उसने एक महिला की सोने की चेन झपटी थी, जिसे उसने ज्वेलर को बेचा है। उसने वह दुकान पुलिस को दिखाई। पुलिस ने ज्वेलर से 50 ग्राम सोने की चेन और विक्रय रसीद को जब्त किया। 'मीना' ने सोने की चेन की शिनाख्त कर लिया। पुलिस ने आगामी अनुसंधान कर राम सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

'राम सिंह अपने 313 दण्ड प्रक्रिया संहिता के कथनों में सब चीजों से इंकार किया व अभिकथित किया कि पुलिस ने उसे मिथ्या संलिप्त किया है और जब वह उनकी अभिरक्षा में था तब उसके कथन जबरदस्ती लिये थे।

## ENGLISH

**NOTE:- Attempt all the questions. Question No. 1 carries 20 marks and question no.2 and 3 carry 15 marks each.**

### Question No. 1

(20 Marks)

**Write an essay in English on any one of the topic given below in about 500 words.**

- (A) Role of Judiciary in environmental protection.
- (B) Constitutional perspective of social justice in India.

### Question No. 2

(15 Marks)

**Write an essay in English on any one of the topics given below in about 400 words.**

- (A) Canons of judicial ethics
- (B) Contribution of judiciary to women empowerment.

### Question No.3

(15 Marks)

**Write an essay in English on any one of the topics given below in about 400 words.**





# LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |  
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBSJ | HPJS

- (A) Architecture of Rajasthan.
- (B) Yoga tourism in India

## HINDI

**नोट:- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न संख्या 1 हेतु 20 अंक तथा प्रश्न संख्या 2 व 3 प्रत्येक हेतु 15 अंक निर्धारित हैं।**

### प्रश्न संख्या 1

(20 अंक)

किसी एक विषय पर अधिकतम 600 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

- अ. न्यायपालिका की स्वतंत्रता : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में
- ब. त्वरित न्याय का भारतीय परिप्रेक्ष्य
- स. वंचितों के अधिकार संरक्षण में न्यायपालिका की भूमिका

### प्रश्न संख्या 2

(15 अंक)

किसी एक विषय पर अधिकतम 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

- अ. सामाजिक एकता में धार्मिक पर्यटन की भूमिका
- ब. सोशल मीडिया और बाल विकास
- स. राजनैतिक मुद्दे और मीडिया की भूमिका

### प्रश्न संख्या 3

(15 अंक)

किसी एक विषय पर अधिकतम 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

- अ. राजस्थान के लोकोत्सव
- ब. राजस्थान में जल संरक्षण
- स. राजस्थान में कुप्रथाएं

